आपो हि ष्ठा मयोभुवः

जुलाई 2018

संरक्षक
डॉ. शरद कुमार जैन

मुख्य संपादक
श्री सी. पी. कुमार

परामर्शदाता
डी. एस. राठौर
डॉ. संजय कुमार
एस. के. वर्मा
डॉ. प्रदीप कुमार
सुमन्त कुमार
डॉ. पी. के. सिंह
नरेश कुमार

संपादक
डॉ. मनोहर अरोड़ा

सह संपादक
प्रदीप कुमार उनियाल
पवन कुमार शर्मा

प्रकाशक
राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान,
जलविज्ञान भवन, रूड़की-247667
उत्तराखंड

मुद्रक
राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान,
रूड़की के लिए
सी. एस. आई. आर.-राष्ट्रीय विज्ञान
संचार एवं सूचना स्रोत संस्थान
डॉ. के. एस. कृष्णन् मार्ग,
नई दिल्ली द्वारा मुद्रित।

जल चेतना

सम्पादकीय

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान रुड़की की तकनीकी पत्रिका ''जल चेतना'' का प्रस्तुत अंक सुधी पाठकों को सौंपते हुए हमें अत्यन्त हर्ष एवं गौरव की अनुभूति हो रही है। हमें विश्वास है कि विगत अंकों की तरह यह अंक भी हर वर्ग के पाठकों को रूचिकर, ज्ञानवर्धक तथा उपयोगी लगेगा। प्रयास किया गया है कि प्रस्तुत अंक में दी गई वैज्ञानिक एवं तकनीकी विषयों से जुड़ी विभिन्न जानकारियों को सरल तथा आमजन की भाषा में पाठकों तक पहुंचाया जाए ताकि समाज का हर वर्ग जल संबंधी शोध एवं विकास कार्यों की नित नई जानकारियों का लाभ उठा सके। संस्थान विगत सात वर्षों से इन महत्वपूर्ण एवं उपयोगी जानकारियों को हिंदी भाषा के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रहा है। प्रायः यह देखा गया है कि तकनीकी एवं वैज्ञानिक प्रकृति की जानकारियां अंग्रेजी भाषा के माध्यम से प्रचारित-प्रसारित की जाती रही हैं परंतु संस्थान ने हर वर्ग के पाठकों के हित को ध्यान में रखकर ही इस पत्रिका का प्रकाशन वर्ष 2011 से प्रारंभ किया है। पत्रिका में जल से जुड़े लेखों को तरजीह देने के साथ-साथ कविताओं, कार्टूनों व लघु कहानियों को भी स्थान दिया गया है।

इस अंक में ''भारत में जल संसाधन प्रबंधन'', ''शहरी जल संकट : स्मार्ट शहर एक समाधान'', ''जल संरक्षण एवं प्रबंधन में तालाबों की महत्ता'' इत्यादि जैसे रोचक, महत्वपूर्ण एवं उपयोगी लेखों को शामिल किया गया है। जल से जुड़ी तकनीकी जानकारी के अलावा कुछ अन्य रोचक विषयों जैसे ''भूमि से है जीवन, इसका हो उचित संरक्षण'', ''नैनो प्रौद्योगिकी से स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल'', इत्यादि पर भी लेख शामिल किए गए हैं।

हमारे देश में जल की उपलब्धता, उसका संरक्षण एवं गुणवत्ता से जुड़ी समस्याओं में दिन-प्रतिदिन बढ़ोत्तरी हो रही है। इन समस्याओं से निपटने के लिए यह जरूरी है कि जनमानस को जल के विभिन्न गुण-धर्मों की पर्याप्त जानकारी हो। अतः इस पत्रिका के प्रकाशन का मुख्य उद्देश्य जल से संबंधित महत्वपूर्ण एवं उपयोगी जानकारियों को जन मानस तक पहुंचाना है। जन जागरूकता अभियान तथा प्रचार-प्रसार की दृष्टि से यह पत्रिका निःशुल्क वितरित की जा रही है।

संपादक मंडल उन समस्त विद्वत लेखकों का आभारी है जिन्होंने इस पत्रिका के लिए अपने रोचक एवं उपयोगी लेख देकर हमारा उत्साह बढ़ाया है। जल चेतना के इस अंक में जिन स्रोतों से चित्रों का संकलन किया गया है, संपादक मंडल उनका भी हार्दिक आभार व्यक्त करता है।

पत्रिका के प्रकाशन में हमें राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं सूचना स्रोत संस्थान (सी.एस.आई.आर.), नई दिल्ली के पदाधिकारियों ने भरपूर सहयोग दिया है, इसके लिए हम हृदय से उनका आभार व्यक्त करते हैं।

हमें विश्वास है कि यह पत्रिका पाठकों को अत्यन्त रोचक तथा उपयोगी लगेगी। पत्रिका के आगामी अंकों को और अधिक आकर्षक बनाने तथा सामग्री व साज-सज्जा में सुधार लाने के लिए समस्त सुधी पाठकों के सुझाव आमंत्रित हैं।

मूल्य : निःशुल्क
शिकायत : 01332-249228, 249234
ई-मेल : jalchetna44@gmail.com

सम्पादकीय : 01332-249208, 249234,
फैक्स : 01332-272123
ई-मेल : **jalchetna44@gmail.com**
वेब साइट : **www.nihroorkee.gov.in**

© राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान
पत्रिका में प्रकाशित आलेख एवं रचनाओं में प्रस्तुत तथ्य लेखकों के अपने विचार हैं, संपादक मंडल एवं संस्थान का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। पत्रिका से सम्बन्धित सभी विवाद रूड़की न्यायालय द्वारा ही निपटाए जायेंगे।